भारत सरकार

योजना मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5247

दिनांक 02.04.2025 को उत्तर देने के लिए

विशाखापत्तनम विकास योजना रिपोर्ट

5247. **श्री खगेन मुर्मु:**

क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नीति आयोग की विशाखापत्तनम विकास योजना रिपोर्ट की स्थिति क्या है;

(ख) क्या विशाखापत्तनम विकास योजना में प्राकृतिक संसाधनों की साध्यता और उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त विकास योजना रिपोर्ट में किन-किन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (घ) नीति आयोग ने 2023 में शहरों के विकास के लिए विकास के इंजन के रूप में ग्रोथ हब पहल की परिकल्पना की थी। इसका दृष्टिकोण शहरी सीमाओं से परे जाने वाले शहरी क्षेत्रों की पहचान करना और तीन प्रमुख घटकों (i) आर्थिक और निवेश योजना; (ii) जीवन की गुणवत्ता; तथा (iii) समावेशिता और संधारणीयता योजना के आधार पर एक आर्थिक योजना विकसित करना था। प्रक्रिया टेम्पलेट विकसित करने के लिए चार पायलट स्थानों का चयन किया गया, अर्थात मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), वाराणसी, सूरत और विशाखापत्तनम जिन्हें आर्थिक क्षेत्र के केंद्रों के रूप में निर्धारित किया गया था। प्रत्येक आर्थिक क्षेत्र में, 5-चरण प्रक्रिया अर्थात (i) जैसा है निदान (As-is-diagnostic), (ii) शक्तियां, कमियां, अवसर और खतरे (एसडब्ल्यूओटी), बंदोबस्ती और क्षमता विश्लेषण, (iii) आर्थिक दूरदर्शिता, (iv)

महत्वपूर्ण आर्थिक वृद्धि के घटकों का चयन (V) कार्यान्वयन फ्रेमवर्क के आधार पर विशिष्ट आर्थिक प्लान विकसित किए गए हैं। यह परियोजना रिपोर्ट महत्वपूर्ण परियोजनाओं और नीति-निर्धारकों के माध्यम से विशिष्ट अन्तःक्षेप प्रस्तुत करती है। मुम्बई और सूरत के लिए आर्थिक योजनाएं सितम्बर, 2024 में शुरू की गई थी, जबकि वाराणसी और विशाखापत्तनम के लिए योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

*****